Dr.Raman kumar Thakur
Assistant Professor (Guest)
Department of Economics,
D.B.College Jaynagar, Madhubani,
L.N.M.U.Darbhanga.

Class:-B.A. part-1(Hons)
Date:-24 April 2020

" कृषि का यंत्रीकरण "

(Mechanisation of Agriculture)

→ भारतीय किसानों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले औजार और उपकरण सामान्यता पुराने तथा आदिकालीन है जबकि पश्चिम देशों के किसान उन्नत तथा अद्यतन फार्म मशीनरी (Up-to-date farm machinery) का प्रयोग करते हैं। कृषि के यंत्रीकरण के फल स्वरुप इन देशों में भी कृषि क्रांति (Agricultural Revolution) हुई है, जिसकी तुलना 18 वीं शताब्दी में हुई औद्योगिक क्रांति से की जा सकती है । कृषि के यंत्रीकरण के कारण उत्पादन में वृद्धि हुई है और लागत में कमी ।इसके अतिरिक्त कृषि मशीनरी द्वारा बंजर भूमियों को कृषि योग्य बनाया जा सका। इसीलिए तो पश्चिमी देशों की समृद्धि का मुख्य कारण कृषि यंत्रीकरण को ही समझा जा सकता है। सामान्यत: यह विश्वास सुदृढ हो गया कि कृषि के यंत्रीकरण के बिना प्रगतिशील कृषि संभव नहीं है।
भारत में कृषि के विकास की गति तेज करने के लिए यंत्रीकरण का प्रश्न महत्वपूर्ण बनता जा रहा है ।जहां एक ओर तो कृषि के यंत्रीकरण के पक्के समर्थक मिलते हैं वहीं दूसरी ओर विरोधी पक्ष के विचारक भारत के वर्तमान आर्थिक एवं सामाजिक परिस्थितियों में फार्म मशीनरी का प्रयोग बिलकुल अनुचित मानते हैं ।अब हम इन दोनों पक्षों के तर्को को प्रस्तुत करेंगे ।

भारत में कृषि यंत्रीकरण के पक्ष में तर्क इस प्रकार से दिए जा सकते हैं:-

1) उत्पादन में वृद्धि:- यंत्रीकरण के परिणाम स्वरूप प्रति हेक्टेयर या प्रति श्रमिक उत्पादकता बढ़ जाती है जिससे कुल उत्पादन बढ़ जाता है

2) श्रम की कम आवश्यकता :- यंत्रीकरण के परिणामस्वरूप श्रम की आवश्यकता कम पड़ती है।

3)कार्य क्षमता मेंवृद्धि :-यंत्रीकरण से कृषि कार्य शीघ्र तथा कम परिश्रम द्वारा किया जाना संभव हो जाता है ।

4) लागत में कमी :-यंत्रीकरण के परिणामस्वरूप आवश्यकता कम पड़ती है।

5) हानि से रक्षा यंत्रीकरण से समय पर बुवाई, सिंचाई तथा फसल कटाई संभव हो जाती है जिससे प्राकृतिक अनिश्चितताओं से होने वाली हानि से बचा जा सकता है।

6) कृषि आय में वृद्धि :-कृषि यंत्रीकरण के परिणामस्वरूप कृषि अब जीवन निर्वाह का साधन न रहकर व्यापारिक व्यवसाय हो गई है ।

7) बहु फसल प्रणाली संभव:- एक खेत में 1 वर्ष में दो या तीन फसलें उगा लेना कृषि यंत्रीकरण द्वारा ही संभव हुआ है।

8) नवीन कृषि तकनीक का श्रेष्ठतम प्रयोग:- उन्नत बीजों तथा उर्वरकों का प्रयोग यंत्रीकरण द्वारा ही संभव होता हैं ।

* कृषि यंत्रीकरण के विपक्ष में तर्क (Arguments against Machnisation):-
कृषि यंत्रीकरण के विपक्ष में निम्नलिखित तर्क दिए जाते हैं :-

1.) बेरोजगारी में वृद्धि :- भारत जैसे विकासशील देश में जहां पर की श्रमिक का बाहुल्य है वहां कृषि यंत्रीकरण से बेरोजगारी में और वृद्धि होगी ।

2) छोटी जोते:- भारत में लगभग 58 प्रतिशत क्रियाशील जोते 1 हेक्टेयर से भी छोटी है अतः यह छोटी जोतों पर पूर्ण यंत्रीकरण का कार्य करना संभव नहीं है।

3) पूंजी का अभाव:- भारत में सामान्य कृषक गरीब हैं उसके पास इतने वित्तीय साधन नहीं है कि वह बड़े-बड़े कृषि यंत्र एवं उपकरण भारी मूल्य देकर क्रय कर सके ।

4) कृषकों की अशिक्षा:- कृषि यंत्रीकरण में कृषक को किया शिक्षा एक महान रुकावट है वह रूढ़िवादी एवं परंपरावादी है। अतः ऐसी स्थिति में कृषि यंत्रीकरण को सफलता मिल सकेगी, इसमें संदेह है।

5) पशु शक्ति का अधिक्य:- भारत में पशु शक्ति बड़ी भारी मात्रा में पाई जाती है। यदि कृषि का यंत्रीकरण किया जाता है तो करोड़ों पशु बेकार हो जाएंगे।

6) डीजल , पेट्रोल व तेल का अभाव:- यंत्रीकरण के लिए अधिकाधिक डीजल व तेल चाहिए जिनका पहले से ही देश में अभाव है अतः कृषि यंत्रीकरण करना उचित नहीं है।

* भारत में कृषि यंत्रीकरण की सफलता हेतु सुझाव (Suggestions for Success of mechanisation of Agriculture):-
A)देश की परिस्थिति को देखते हुए छोटे-छोटे खेतों में प्रयुक्त करने के हेतु उपयुक्त कृषि यंत्रों का निर्माण किया जाना चाहिए।

B) चकबंदी और सहकारी खेती द्वारा कृषि जोतों का आकार बढ़ाया जाना चाहिए जिससे कि इनमें यंत्रों का प्रयोग संभव हो सके।

D) कृषि यंत्रों के संचालन के लिए देश में स्वास्थ्य जल विद्युत शक्ति को शीघ्रता से विकसित करना चाहिए

E) बेकार होने वाले श्रमिकों के लिए रोजगार के नए साधनों का विकास किया जाना चाहिए।

F) यंत्रीकरण की नीति बड़े पैमाने पर एक ही बार नहीं अपनानी चाहिए बल्कि इसे काफी समय तक फैलाकर अपनाते जाना चाहिए।